

सोनीपत में बनेगा प्रदेश का पहला खेलकूद विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों?

27 दिसंबर, 2022 को हरियाणा के खेल विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव महाबीर सहि ने बताया कि राज्य के सोनीपत ज़िले में स्थिति मोतीलाल नेहरू खेलकूद स्कूल में प्रदेश का पहला खेलकूद विश्वविद्यालय बनेगा।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय ने पानीपत के गाँव अटावला नविसी सेवानवृत्त आईपीएस एस.एस देशवाल को नए खेल विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया है।
- खेलकूद स्कूल को खेलकूद विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड नहीं किया जाएगा। बल्कि खेलकूद स्कूल परिसर में अलग से विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा।
- गौरतलब है कि विगत दिनों में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने सोनीपत के राई स्थिति मोतीलाल नेहरू खेलकूद स्कूल में प्रदेश का पहला खेलकूद विश्वविद्यालय स्थापित करने की घोषणा की थी।
- खेलकूद विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिये कागजी कार्रवाई समेत अन्य प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब खेलकूद स्कूल परिसर में विश्वविद्यालय के लिये आधारभूत संरचना को तैयार करना है। इससे पूर्व खेलकूद विश्वविद्यालय की विधिवित रूप से शुरुआत कर दी गई है। सरकार ने खेलकूद स्कूल को इससे संबंधित पत्र भी भेजा है।
- वदिति है कि वर्ष 1973 में तत्कालीन मुख्यमंत्री बंसीलाल ने राई में मोतीलाल नेहरू खेलकूद स्कूल की शुरुआत की थी। स्कूल के खिलाड़ी अब तक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय फलक पर अपने प्रदर्शन से अनेक पदक जीत चुके हैं। यही नहीं अनेक प्रशासनिक सेवा व सेना में बड़े पदों पर काम कर रहे हैं।
- राज्य सरकार की योजना के अनुसार यहाँ हर खेल के लिये एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक व खिलाड़ी तैयार हो सके।
- हरियाणा एक खेल प्रदेश है, जहाँ एक भी खेल विश्वविद्यालय नहीं था। खिलाड़ियों को एनआईएस प्रमाणपत्र या पाठ्यक्रम के लिये दूसरे प्रदेश में जाना पड़ता था। इसे देखते हुए यहाँ खेलकूद विश्वविद्यालय शुरू किया गया है। यहाँ खेल से संबंधित सभी पाठ्यक्रम कराए जाएंगे।
- मोतीलाल नेहरू खेलकूद स्कूल में हॉकी, फुटबॉल, घुड़सवारी, तैराकी, जमिनास्ट, बासकेटबॉल के अलावा 12 खेलों के मैदान हैं। घुड़सवारी व तैराकी में राष्ट्रीय स्तर पर स्कूल का लंबे समय से दबदबा रहा है। स्कूल में खेलों को बढ़ावा देने के लिये बहुउद्देशीय हॉल व हॉकी का एस्टोटर्फ मैदान हैं। यहाँ 50 मीटर शूटिंग रेंज बनाई जा रही है। पहले से बने तरणताल व अन्य खेल मैदान राष्ट्रीय स्तर के हैं।